लौहित्य साहित्य सेतु : सहयोगी विद्वानों द्वारा पुनरीक्षित अर्धवार्षिक द्विभाषिक ई-पत्रिका
वर्ष: 1, संख्या: 1; जुलाई-दिसंबर, 2020

भारत

डी.आर.समर्पिता

भारत हमारी मातृभूमि
है न इसमें कोई कमी
किनती सुंदर यहाँ की प्रकृति
और जनसंख्या घनी घनी ।

भारत की हो जय
इसके गानों में है लय
ज्ञानी और महापुरुषों का जन्म यहाँ
देखोगे सुंदरता तुम जाओ जहाँ ।

यहाँ की मिट्टी है सोना
तुम्हें आएगा रोना
अगर सोचोगे कितनों ने दिये
प्राण बलिदान इस भारत के लिए ।

कश्मीर हमारी सुंदरता
असम हमारी प्रसन्नता
मुंबई हमारी जगह सपनों की
हर जगह है विभिन्नता ।

गाओ भारत का जयगान
यही है हमारी शान
यही हमारी जन्मभूमि
जय हो प्यारे भारत की ।

संपर्क-सूत्र:
पाँचवीं कक्षा
महर्षि विद्या मंदिर-IV
गुवाहाटी,असम